भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 831
मंगलवार, 27 जुलाई, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

जनसमुदायों के बीच पृथ्वी विज्ञान को लोकप्रिय बनाना

831. श्री राकेश सिन्हा :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(1) जनसमुदायों के बीच पृथ्वी को लोकप्रिय बनाने और जागरूकता पैदा करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं क्योंकि पृथ्वी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है और अब पृथ्वी की सुरक्षा की ओर ध्यान परिवर्तित हो रहा है;
(2) देश में पृथ्वी विज्ञान से संबंधित कितने संस्थान कार्यरत हैं और वहां कार्यरत वैज्ञानिकों की संख्या कितनी है;
(3) क्या ये संस्थान आपस में जुड़े हुए हैं और परस्पर सहयोग से कार्य कर रहे हैं;
(4) गत पाँच वर्षों के दौरान इन संस्थानों के प्रकाशनों की संख्या कितनी है और उनके मुख्य शीर्षक क्या है; और
(5) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय या इसके किसी संस्थान द्वारा प्रकाशित जर्नल का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(1) जी, हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा पृथ्वी विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और अपने "आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम" के माध्यम से आम लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। पृथ्वीविज्ञान मंत्रालय के आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम के तहत पहचान की गई प्रमुख गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:

i. विज्ञान कांग्रेस, आईआईटीएफ, आईआईएसएफ सहित प्रदर्शनी और मेले (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय)
ii. सेमिनार, संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण आदि।
iii. हर साल महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दिवसों/कार्यक्रमों का आयोजन जैसे विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व ओजोन दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व मौसम विज्ञान दिवस, विश्व जल दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस आदि।
iv. प्रिंट और ऑडियो-विजुअल मीडिया के माध्यम से मंत्रालय की गतिविधियों के बारे में जागरूकता, संचरण और प्रचार।
v. स्कूली छात्रों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (आईएनईएसओ/आईईएसओ)।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत 10 संस्थान संचालित किए जा रहे हैं।

i. भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे
ii. भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस), हैदराबाद

iii. राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), चेन्नई
iv. राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा
v. राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (एनसीईएसएस), तिरुवनंतपुरम

vi. राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर), चेन्नई
vii. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस), नई दिल्ली
viii. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नई दिल्ली
ix. राष्ट्रीय माध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ), नोएडा
x. समुद्री सजीव संसाधन और पारिस्थितिकी केंद्र (सीएमएलआरई), कोच्चि।

इन संस्थानों मे कार्य कर रहे वैज्ञानिकों का विवरण नीचे दिया गया है :

एमओईएस + सीएमएलआरई + एनसीसीआर	एनसीएम आरड ब्ल्यूएफ	आईएम डी	एनआईओ टी	एनसीपीओ आर	इंकॉइ स	आईआ ईटीएम	एनसीई एसएस	संपूर्ण
142	65	549	87	46	42	181	70	1182

(ग) जी हाँ। उपर्युक्त संस्थान आपस में जुड़े हुए है और अपने अनुसंधान/परिचालन अधिदेश के अनुसार परस्पर सहयोग से कार्य कर रहे हैं। कई प्रमुख कार्यक्रम अंतर-संस्थागत हैं और सभी संबंधित संस्थानों से जानकारी लेकर समन्वय रखा जाता है

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान इन संस्थानों के शोध प्रकाशनों की कुल संख्या है पिछले पांच वर्षों के दौरान इन संस्थानों के शोध प्रकाशनों की कुल संख्या है

वर्ष	प्रकाशनों की संख्या
2016-17	387
2017-18	398
2018-19	439
2019-20	426
2020-21	527

(ङ) भारत मौसम विज्ञान विभाग निम्नलिखित पत्रिका प्रकाशित करता है:

मौसम - मौसम विज्ञान, जल विज्ञान और भूभौतिकी का एक तिमाही जर्नल।